

ਯੀਸ਼ੁ ਮਸੀ ਮੌਰੈਂਦੌਊਂ ਮਾਙ ਕੌਙ ਉਭੈ ਝਿਯੌ



bangani

यीशु मसी मौरौन्दौउं माइं कौइ उबै ज़ियौ

bangani
uttarkashi, uttrakhand, india



For permission to reuse, contact the copyright holder.

Bangani Language Book
Red level book

परकाशण:-

NLCI

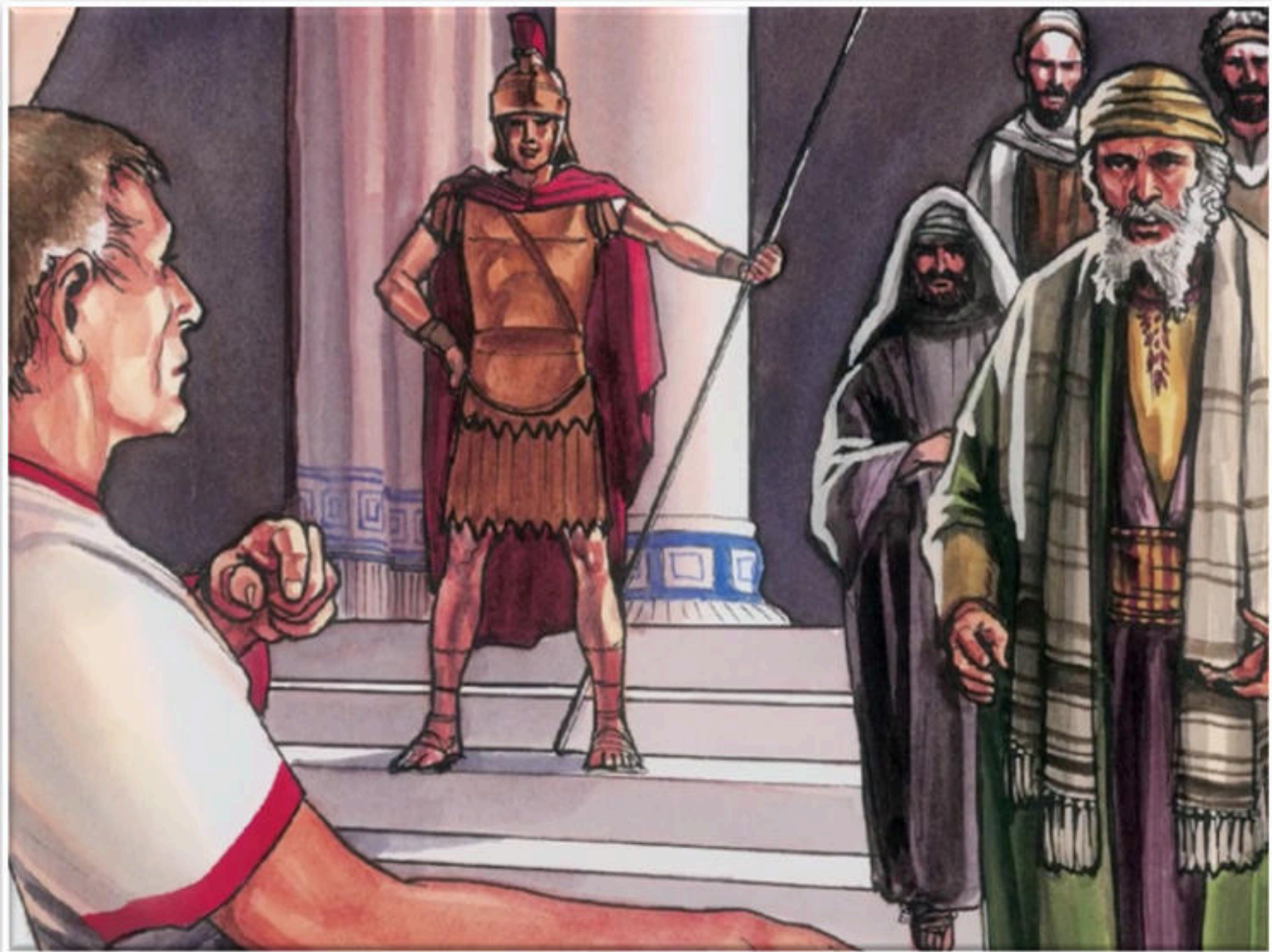
बंगाणी मसी समिति समू

दो बात

हम बंगाणी क्षेत्र में साक्षरता कार्यक्रम चला रहे हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ना लिखना सीख सकें। उसी आधार पर इस किताब को भी तैयार किया गया है। यह एक कहानी की किताब है। जिसमें यीशु मसीह किस प्रकार मुर्दों में से जी ऊठा, उसके बारे में बहुत ही सरल रीति से बताया गया है। इस कहानी को हमने अपनी मातृभाषा में ही तैयार किया है जिससे वह इस कहानी को आसानी से समझ सके। और अपनी मातृभाषा में पढ़ने और लिखने का प्रयास भी कर सकें।



गूलगुता नौऊं रि ज़ागा दि ज़ौ यीशु मौरि
गोऔ थौ। यूसुफ नौऊं रौ दौरमी
माणूछ, दरम सबा रौ मुखिया थौ। तिणी
पिलातुस कौइ यीशु रि लाश माँगियौ
कबर दि थौइ।



तैबै याजक औज़ि नियम कानुण शिकाणै
वाळै कौट्टै औइयौ पिलातुस आरि बोलौ ।
चीन दुसै ज़ौउं यीशु रि कबर रि
चोकिदारि कौराउ । ज़ेसकौइ यीशु रै चलै
तेसरि लाश ना लै चोरै ।



पिलातुसेइ तिउं आरि बोलौ, आपडै
इसाब कौइ तेसरि चोकिदारि कौराउ ।
तैबै तिउं यीशु रि कबर एक बौडै डोळै
कौइ बन्द कौरि । याजक औजि नियम
कानुण शिकाणै वाळौउं सिपाइ कबर रि
चोकिदारि कौरदै थौऐ ।



चीज़ै दुसै रात्ती मरियम मगदलीनी औज़ि
दुजी मरियम कबर देखदि आइ। तिउं
देखौ कि कबर रौ डोळ पोरु थौ
पौळटौन्दौ। मरियम कै कबर दि यीशु रि
लाश ना मिली।



चौमकिलै जुड़कै बिड़ौन्दै दुइ स्वर्गदूत
देखियौ सै बौरि डौरै। तैबै स्वर्गदुतेइ तिउं
आरि बोलौ, तुमैं ज़िऊंदेइ, मौरौन्दौउं माइं
केलाइ लोड़ैन? एज़ी ज़ागा देखौ ज़ेत्कै
सेउ थौऔन्दौ थौ, ऐबै सेउ एत्कै ना
नौथि सेउ ज़ी गोऔ।



तिउं कबर कौइ वापस डेइयौ चेलौउं
आरि सारि बुशै बोली। पर चेलौउं तिउं रि
बुशेदि बिश्वास ना कियौ।



तैबै पतरस उठियौ कबर रि पौशै
दोड़ियौइ डैऔ, तेत्कै खाली जुड़कै
पौड़ौन्दै देखै। औज़ि पतरस परेशान
औइयौ वापस आपड़े गौरै डैऔ।



औगौणिकै यीशु दुइ चेलौउं कै दिशौ,
औज़ि तेतबासियै सारै चेलौउं कै बि
दिशै। यीशु ज़िऊंदौ औइयौ चाळिश दूस
ज़ौउं चेलौउं रै साथै रौ।

For the Teacher

This Big Book is designed to be used for two weeks. It promotes enjoyment of storybooks, development of vocabulary, the skills of prediction, sequencing and main idea, and the understanding that books are made up of words.

On **Monday**, the teacher

- shows everyone the cover of the book
- reads the title, while moving a finger under it
- turns to the first page, and discusses the picture (asks the children to predict what will happen)
- reads the text on the first page, fluently (not slowly), and
- asks the children what they think they will see on each page. (The teacher is the only one “reading.”)

On **Tuesday**, the teacher

- shows everyone the book, and
- reads the story again, following the words with a finger, without as much discussion of the pictures.

On **Wednesday**, the teacher

- invites children to join in with “reading” when the story comes to parts which are familiar to them
- shows a flashcard from the story and tells the class what the card says, and
- invites children to find the same word in the storybook (or to match the card with the word in the book to see if it is the same)

On **Thursday**, the teacher

- points smoothly to the words in the story and lets some volunteers “read” a page, if they can remember the story by now, and
- lets the children match the flashcards to the words in the story.

On **Friday**, the children

- act out (dramatize) the story as others help the teacher “read” it.

यह किताब NLCI संस्थान के द्वारा तैयार की गई है।

हम मातृभाषा में साक्षरता कार्यक्रम करते हैं। जिसके अन्तर्गत हम अपने क्षेत्र में अलग अलग भागों में शिक्षा देते हैं। जिसमें हमारा उद्देश्य यह है कि, हमारे क्षेत्र के असाक्षर लोग और बच्चे साक्षर हो सकें। और पढ़ लिख कर अपने समाज का विकास कर सकें।

हम जानते हैं कि हमारे क्षेत्र के अधिकतम लोग बोल-चाल में हो या काम-काज में हर स्थान पर अपनी मातृभाषा का उपयोग करते हैं। इसलिए हम अपने क्षेत्र के लोगों के लिए जो भी पाठ्य सामग्री तैयार करते हैं। उसे उन्हीं की मातृभाषा में तैयार करते हैं। जिससे उन्हें पढ़ने और लिखने में आसानी हो और वो जल्दी ही पढ़ना और लिखना सीख सकें।

हम अपनी संस्था में साक्षरता के द्वारा मातृभाषा में वयस्क शिक्षक ही नहीं चलाते बल्कि, अपने क्षेत्र में पढ़े-लिखे लोगों के लिये तथा बच्चों के लिये भी अलग-अलग तरह की पाठ्य सामग्री भी उन्हीं की मातृभाषा में उपलब्ध कराते हैं। जिससे की बच्चे अपने बचपन से ही अपनी मातृभाषा को महत्व दें जिससे हमारी भाषा लुप्त ना हो। हम प्रार्थना करते हैं कि हमारे क्षेत्र के सभी लोग पढ़ लिख सकें और हमारे क्षेत्र का और अधिक विकास हो सकें।

.....धन्यवाद.....



This book was created with some Bloom Enterprise features enabled at no cost in order to support projects solely funded by the local community.